

## राजस्थान पी.सी.एस. प्रारंभिक तथा मुख्य परीक्षा पाठ्यक्रम

### प्रश्न पत्र ।

### सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन

#### इकाई इतिहास

#### खंड अ - राजस्थान का इतिहास, कला, संस्कृति, साहित्य परम्परा और धरोहर

- प्रागैतहासिक काल से 18 वीं शताब्दी के अवसान तक राजस्थान के इतिहास के प्रमुख सोपान, महत्वपूर्ण राजवंश, उनकी प्रशासनिक एवं राजस्व व्यवस्था । 19 वीं -20वीं शताब्दी की प्रमुख घटनाएं: किसान एवं जनजाति आन्दोलन, राजनीतिक जागृति, स्वतन्त्रता संग्राम और एकीकरण ।
- राजस्थान की धरोहर: प्रदर्शन व ललित कलाएं, हस्तशिल्प व वास्तुशिल्प, मेले, पर्व,
- लोक संगीत व लोक नृत्य ।
- राजस्थानी साहित्य की महत्वपूर्ण कृतियाँ एवं राजस्थान की बोलियाँ ।
- राजस्थान के संत, लोक देवता एवं महत्वपूर्ण वभूतियाँ ।

#### खंड ब- भारतीय इतिहास एवं संस्कृति

- भारतीय धरोहर : सन्धि सभ्यता से लेकर ब्रिटिश काल तक के भारत की ललित कलाएँ, प्रदर्शन कलाएँ, वास्तु परम्परा एवं साहित्य ।
- प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत के धार्मिक आन्दोलन और धर्म दर्शन ।
- 19वीं शताब्दी के प्रारंभ से 1965 ईस्वी तक आधुनिक भारत का इतिहास: महत्वपूर्ण
- घटनाक्रम, व्यक्तित्व और मुद्दे । भारत का राष्ट्रीय आन्दोलन - इसके विभिन्न चरण व धाराएँ, प्रमुख योगदानकर्ता और देश के भिन्न भिन्न भागों से योगदान ।
- 19वीं -20वीं शताब्दी में सामाजिक- धार्मिक सुधार आन्दोलन ।
- स्वातंत्र्योत्तर सुदृढीकरण और पुनर्गठन- देशी रियासतों का वलिय तथा राज्यों का भाषायी आधार पर पुनर्गठन ।

#### खंड स- आधुनिक विश्व का इतिहास (1950 ईस्वी तक)

- पुनर्जागरण व धर्म सुधार ।
- प्रबोधन व औद्योगिक क्रांति ।
- एशिया व अफ्रीका में सामाज्यवाद और उपनिवेशवाद ।
- विश्व युद्धों का प्रभाव ।

#### इकाई II - अर्थव्यवस्था

#### खण्ड अ- भारतीय अर्थशास्त्र

- अर्थव्यवस्था के प्रमुख कषेत्र : कृषि, उद्योग और सेवा- वर्तमान स्थिति, मुद्दे एवं पहल
- बैंकिंग : मुद्रा-पूर्ति और उच्चधिकार प्राप्त मुद्रा की अवधारणा, केन्द्रीय बैंक एवं वाणिज्य बैंकों की भूमिका एवं कार्यप्रणाली, अनर्जक परसिपत्ति, वित्तीय समावेशन, मौद्रिक नीतिअवधारणा, उद्देश्य और साधन ।
- लोक वित्त: भारत में कर सुधार- प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर, परदिान, नकद हस्तांतरण और अन्य संबंधी मुद्दे, भारत की वर्तमान राजकोषीय नीति ।
- भारतीय अर्थव्यवस्था में हाल के रूझान- विदेशी पूंजी की भूमिका, बहुराष्ट्रीय कंपनियों, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, नरियात-आयात नीति, 12" वित्त आयोग, गरीबी उन्मूलन योजनाएं ।

#### खण्ड ब- वैश्विक अर्थव्यवस्था

- वैश्विक आर्थिक मुद्दे और प्रवृत्तियाँ : विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व व्यापार संगठन की भूमिका।
- विकासशील, उभरते और विकसित देशों की संकल्पना।
- वैश्विक परिदृश्य में भारत।

### खण्ड स- राजस्थान की अर्थव्यवस्था

- राजस्थान के विशेष संदर्भ में कृषि, बागवानी, डेयरी और पशुपालन।
- औद्योगिक क्षेत्र : संवृद्धि और हाल के रूझान।
- राजस्थान के विशेष संदर्भ में संवृद्धि, विकास और आयोजना।
- राजस्थान के सेवा क्षेत्र में वर्तमान में हुए विकास एवं मुद्दे।
- राजस्थान की प्रमुख विकास परियोजनाएं- उनके उद्देश्य और प्रभाव।
  - राजस्थान में आर्थिक परिवर्तन के लिए सार्वजनिक नज्दी भागीदारी मॉडल।
  - राज्य का जनकविकी परिदृश्य और राजस्थान की अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव।

## इकाई III समाजशास्त्र, प्रबंधन, लेखांकन एवं अंकेक्षण

### खण्ड अ- समाजशास्त्र

- भारत में समाजशास्त्रीय विचारों का विकास
- सामाजिक मूल्य
- जाति वर्ग और व्यवसाय
- संस्कृतिकरण
- वर्ण, आश्रम, पुरूषार्थ एवं संस्कार व्यवस्था
- धर्म नरिपेक्षता
- मुद्दे एवं सामाजिक समस्याएं
- राजस्थान के जनजातीय समुदाय- भील, मीणा एवं गरासिया

### खण्ड ब- प्रबंधन

- प्रबंधन- क्षेत्र, अवधारणा, प्रबंधन के कार्य - योजना आयोजन. स्टाफ नरिदेशन समनवय और
- नरिंत्रण, नरिणय लेना :अवधारणा प्रक्रिया और तकनीक।
- वणिणन की आधुनिक अवधारणा, वणिणन मशिरण-उत्पाद मूल्य स्थान और संवर्धन
- धन के अधिकितमकरण की अवधारणा एवं उद्देश्य वरित्त के स्त्रोत - छोटी और लंबी अवधि पूंजी संरचना, पूंजी की लागत
  - नेतृत्व और प्रेरणा की अवधारणा और मुख्य सदिधांत संचार प्रक्रिया, भरती चयन, प्रेरण प्रशिक्षण एवं विकास और मूल्यांकन प्रणाली के मूल सदिधांत

### खण्ड स-लेखांकन एवं अंकेक्षण

- वरित्तीय वरिण वशिलेषण की तकनीक कार्यशील पूंजी प्रबंधन के मूल सदिधांत जवाबदेही और
- सामाजिक लेखांकन अंकेक्षण का अर्थ एवं उद्देश्य ,आंतरिक नरिंत्रण सामाजिक प्रदर्शन और कार्यकुशलता अंकेक्षण।
- वभिन्न प्रकार के बजट एवं उनके मूल सदिधांत, बजटीय नरिंत्रण

## प्रश्न पत्र- II सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन

### इकाई - प्रशासकीय नीतशास्त्र

- नीतशास्त्र एवं मानवीय मूल्य- महापुरूषों, समाज सुधारकों तथा प्रशासकों के जीवन से प्राप्त शिक्षा। परिवार, सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं का मानवीय मूल्यों के पोषण में योगदान।
- नैतिक समप्रत्यय- ऋत एवं ऋण, करतव्य की अवधारणा, शुभ एवं सद्गुण।
- नज्दी एवं सार्वजनिक संबंधों में नीतशास्त्र की भूमिका- प्रशासकों का आचरण, मूल्य
- एवं राजनैतिक अभिवृत्ति- सत्यनषिठा का दार्शनिक आधार।
- भगवद् गीता का नीतशास्त्र एवं प्रशासन में इसकी भूमिका।
- गांधी का नीतशास्त्र।
- भारतीय एवं विश्व के नैतिक चतिकां एवं दार्शनिकों का योगदान।
- तनाव प्रबंधन।
  - उपरोक्त वषियों पर आधारित केस अध्ययन।
- संवेगात्मक बुद्धि-अवधारणाएं एवं उनकी उपयोगिताएं।

## इकाई II - सामान्य वजिज्ञान एवं तकनीकी

नैनो तकनीकी-संकल्पना तथा उसके अनुप्रयोग, भारत का नैनो मशिन

- नाभिकीय तकनीकी - आधारभूत संकल्पना, रेडियोऐक्टिविटा तथा उसके अनुप्रयोग. वभिन्न प्रकार के नाभिकीय रिएक्टर, असैन्य तथा सैन्य उपयोग, भारत में नाभिकीय तकनीकी विकास के लिए संस्थागत संरचना ।
- दूरसंचार- आधारभूत संकल्पना, आमजन के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए दूरसंचार का अनुप्रयोग, भारतीय दूरसंचार
- उद्योग - संकषिपित इतिहास सहति, भारतीय दूरसंचार नीति तथा टेलीकॉम रेग्युलेटरी अर्थोर्टी ऑफ इण्डिया ।
- वदियुतचुम्बकीय तरंगें, संचार व्यवस्था, कम्प्यूटर के आधारभूत तत्व, प्रशासन में सूचना ।
- तकनीकी, ई-गवर्नेंस, ई-वाणजिय (ई-कॉमर्स) का उपयोग ।
- रक्षा- भारतीय मसिाइल कार्यक्रम के संदर्भ में मसिाइल के प्रकार, वभिन्न रासायनिक और
- जैवकि हथियार, DRDO की वभिन्न कषेत्रों (हथियार के अतरिकित) में भूमिका ।
- दरव्य की अवस्थाएँ ।
- कार्बन के अपररूप ।
- pH मापक्रम तथा pH का दैनिकि जीवन में महत्व ।
- संकषारण तथा उसका नविरण ।
- उत्प्रेरक ।
- साबुन और अपमार्जक - साबुन की शोधन क्रयिया ।
- बहुलक तथा उनके उपयोग ।
- मानव के पाचन, श्वसन, परसिंचरण, उत्सर्जन, समन्वयन एवं जनन तंत्रों की सामान्य जानकारी ।
  - जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग एवं उससे सम्बद्ध नीतपिरक एवं बौदवकि संपदा अधकिार से संबंधति मुद्दे ।
  - भोजन एवं मानव स्वास्थय : संतुलति एवं असंतुलति भोजन, कुपोषण ; मादक पदार्थ; रक्त, रक्त समूह एवं रोधकषमता (प्रतजिन एवं प्रतरिकषी), रक्ताधान; प्रतरिकषीकरण एवं टीकाकरण; की सामान्य जानकारी ।
  - मानव रोग : संचरणीय एवं असंचरणीय रोग; तीव्र एवं चरिकाली रोग, संक्रामक, आनुवांशकि एवं जीवन शैली से उत्पन्न रोगों के कारण एवं नविरण ।
  - जल की गुणवत्ता एवं जल शोधन ।
  - राजस्थान राज्य के वशिष संदर्भ में सार्वजनिकि स्वास्थय उपक्रम ।
  - वजिज्ञान एवं टेक्नोलॉजी में भारतीय वैजिज्ञानिकों का योगदान ।
  - पारसिथतिकि तंत्र : संरचना एवं कार्य ।
  - वातावरण : संघटक एवं मूलभूत पोषण चक्र (नाइट्रोजन, कार्बन एवं जल चक्र) जलवायु परविरतन; नवीनीकरणीय एवं अनवीकरणीय ऊर्जा ।
  - वातावरणीय प्रदूषण एवं नमिनीकरण; अपशषिट प्रबंधन ।
  - राजस्थान राज्य के वशिष संदर्भ में जैव वविधिता एवं उसका संरक्षण ।
  - राजस्थान राज्य की पारंपरिकि प्रणालियों के वशिष संदर्भ में जल संरक्षण ।
  - राजस्थान राज्य के वशिष संदर्भ में कृषि वजिज्ञान, उद्यान-वजिज्ञान, वानिकी, डेयरी एवं पशु पालन ।

## इकाई II पृथ्वी वजिज्ञान (भूगोल एवं भू-वजिज्ञान)

### खण्ड अ-वशिष

- प्रमुख भौतिक भू-आकृतिया: पर्वत, पठार, मैदान, झीलें एवं हमिनद
- भूकंप एवं जवालामुखी: प्रकार, वतिरण एवं उनका प्रभाव
- पृथ्वी एवं भूवैजिज्ञानिकि समय सारणी
- समसामयिकि भू-राजनीतिकि समस्याएं

### खण्ड ब-भारत

- प्रमुख भौतिक: पर्वत, पठार, मैदान, झीलें एवं हमिनद
- भारत के प्रमुख भू-आकृतिकि प्रदेश ।
- जलवायु : मानसून की उत्पत्ति, ऋतुओं के अनुसार जलवायु दशायें, वर्षा का वतिरण एवं जलवायु प्रदेश । प्राकृतिकि संसाधन:
  - (क) जल, वन एवं मृदा संसाधन
  - (ख) शैल एवं खनजि-प्रकार एवं उनका उपयोग ।
- जनसंख्या: वृद्धि, वतिरण, घनत्व, लगानुपात, साक्षरता, नगरीय एवं ग्रामीण जनसंख्या

### खण्ड स-राजस्थान

- प्रमुख भौतिक भू-आकृतियाँ पर्वत, पठार, मैदान, नदियाँ एवं झीलें
- प्रमुख भू-आकृतिकि प्रदेश
- प्राकृतिकि वनस्पति एवं जलवायु

- पशुपालन, जंगली जीव-जन्तु एवं उनका संरक्षण
- कृषि प्रमुख फसलें खनजि संसाधन-  
(क) धातविक खनजि: प्रकार, वतिरण एवं उनका औद्योगिक उपयोग  
(ख) अधातविक खनजि: प्रकार, वतिरण एवं उनका औद्योगिक उपयोग
- ऊर्जा संसाधन: परम्परागत एवं गैर परम्परागत स्रोत
- जनसंख्या एवं जनजातियाँ

## प्रश्न पत्र III

### सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन इकाई

#### भारतीय राजनीतिक व्यवस्था, विश्व राजनीति एवं समसामयिक मामले

- भारतीय संविधान : निर्माण, विशेषताएँ, संशोधन, मूल ढाँचा
- वैचारिक सत्त्व : उद्देशिका, मूल अधिकार, राज्य नीतिके नदिशक तत्व, मूल कर्तव्य
- **संस्थात्मक ढाँचा I** : संसदीय प्रणाली, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं मंत्री परिषद, संसद
- **संस्थात्मक ढाँचा II** : संघवाद, केन्द्र-राज्य संबंध, उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय,
- न्यायिक पुनरावलोकन, न्यायिक सक्रियता ।
- **संस्थात्मक ढाँचा III** : भारत निर्वाचन आयोग, नयित्त्रक एवं महा लेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, नीति आयोग, केन्द्रीय सतर्कता आयोग, केन्द्रीय सूचना आयोग, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग **राजनीतिक गत्यात्मकताएँ** : भारतीय राजनीति में जाति, धर्म, वर्ग, नृजातीयता, भाषा एवं लिंग की भूमिका, राजनीतिक दल एवं मतदान व्यवहार, नागरिक समाज एवं राजनीतिक आंदोलन, राष्ट्रीय अखंडता एवं सुरक्षा से जुड़े मुद्दे, सामाजिक-राजनीतिक संघर्ष के संभावित क्षेत्र ।

**राजस्थान की राज्य-राजनीति** : दलीय प्रणाली, राजनीतिक जनांकिकी, राजस्थान में राजनीतिक प्रतस्पर्धा के विभिन्न चरण, पंचायती राज एवं नगरीय स्वशासन संस्थाएँ । शीत युद्धोत्तर दौर में उदीयमान विश्व-व्यवस्था, संयुक्त राज्य अमरिका का वर्चस्व एवं इसका प्रतस्पर्धी, संयुक्त राष्ट्र एवं क्षेत्रीय संगठन, अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद एवं पर्यावरणीय मुद्दे ।

**भारत की वदिश नीति** : उद्विकास, निर्धारक तत्व, संयुक्त राज्य अमरिका, चीन, रूस एवं यूरोपीय संघ के साथ भारत के संबंध, संयुक्त राष्ट्र, गुट निर्पेक्ष आंदोलन, ब्रिक्स, जी-20, जी-77 एवं सार्क में भारत की भूमिका ।

- दक्षिण एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया एवं पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक एवं रणनीतिक विकास तथा उनका भारत पर प्रभाव । समसामयिक मामले : राजस्थान, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय महत्व की समसामयिक घटनाएँ, व्यक्ति एवं स्थान, खेलकूद से जुड़ी हाल की गतिविधियाँ ।

#### इकाई-II

#### लोक प्रशासन एवं प्रबंधन की अवधारणाएँ, मुद्दे एवं गत्यात्मकता

- प्रशासन एवं प्रबंध- अर्थ, प्रकृति एवं महत्व, वकिसति एवं वकिसशील समाजों में लोक प्रशासन की भूमिका, एक वषिय के रूप में लोक प्रशासन का विकास, नवीन लोक प्रशासन, लोक प्रशासन के सिद्धांत ।
- अवधारणाएँ- शक्ति, सत्ता, वैधता, उत्तरदायित्व एवं प्रत्यायोजन ।
- संगठन के सिद्धांत- पदसोपान, नयित्त्रण का क्षेत्र एवं आदेश की एकता ।
- प्रबंधन के कार्य- नगिमति शासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व ।
- लोक प्रबंधन के नवीन आयाम- परिवर्तन का प्रबंधन
- लोक सेवा के आधारभूत मूल्य एवं अभिवृत्ति- लोक सेवा सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता, गैरपक्ष, धरता एवं समर्पण, सामान्यज्ञ एवं विशेषज्ञ संबंध ।
- प्रशासन पर वधियाँ एवं न्यायिक नयित्त्रण- वधियाँ एवं न्यायिक नयित्त्रण की विभिन्न पद्धतियाँ एवं तकनीक ।
- राजस्थान में प्रशासनिक ढाँचा एवं प्रशासनिक संस्कृति- राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रीपरिषद, राज्य सचिवालय एवं मुख्य सचिव ।
- जिला प्रशासन- संगठन, जिलाधीश एवं पुलिस अधीक्षक की भूमिका, उपखण्ड एवं

**तहसील प्रशासन** । प्रशासनिक विकास- अर्थ, क्षेत्र एवं विशेषताएँ राज्य मानवाधिकार आयोग, राज्य निर्वाचन आयोग, राज्य वक्ति आयोग, लोकायुक्त, राजस्थान लोक सेवा आयोग एवं राजस्थान लोक सेवा अधिनियम, 2011)

#### इकाई II खेल एवं योग, व्यवहार एवं वधि

#### खण्ड अ- खेल एवं योग • भारत में खेलों की नीतियाँ ।

- राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद ।

- राष्ट्रीय खेल पुरस्कार (अर्जुन पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार, राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार, महाराणा प्रताप पुरस्कार इत्यादी)
- सकारात्मक जीवन पद्धति - योगा।
  - भारत के श्रेष्ठ खिलाड़ी।
  - खेलों में प्राथमिक उपचार।
  - भारतीय खिलाड़ियों की ओलम्पिक में भागीदारी एवं पैरा ओलम्पिक खेल।

#### खण्ड ब- व्यवहार

- बुद्धि: संज्ञानात्मक बुद्धि, सामाजिक बुद्धि, संवेगात्मक बुद्धि, सांस्कृतिक बुद्धि और हॉवर्ड
- गार्डनर का विविध बुद्धि सिद्धान्त।
- व्यक्तित्व: मनोवश्लेषण सिद्धान्त, शीलगुण व प्रकार सिद्धान्त, व्यक्तित्व निर्धारण के कारक और व्यक्तित्व मापन विधियाँ।
- अधिगम और अभिप्रेरणा: अधिगम की शैलियाँ, स्मृति के मॉडल और वसिस्मृति के कारण अभिप्रेरणा के वर्गीकरण व प्रकार, कार्य अभिप्रेरणा के सिद्धान्त और अभिप्रेरणा का मापन
- जीवन की चुनौतियों का सामना करना: तनाव: प्रकृति, प्रकार कारण, लक्षण, प्रभाव, तनाव प्रबंधन और सकारात्मक स्वास्थ्य का प्रोत्साहन।

#### खण्ड स- वधि

- वधिकी अवधारणा- स्वामित्व एवं कब्जा, व्यक्तित्व, दायित्व, अधिकार एवं कर्तव्य।
- वर्तमान वधिकी मुद्दे- सूचना का अधिकार, सूचना प्रौद्योगिकी वधि साइबर अपराध सहति (अवधारणा, उद्देश्य, प्रत्याशायें), बौद्धिक सम्पदा अधिकार (अवधारणा, प्रकार एवं उद्देश्य)।
  - स्तरियों एवं बालकों के वरिद्ध अपराध- घरेलू हिंसा, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न, लैंगिक
  - अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012, बाल शर्मकों से संबंधित वधि।
  - राजस्थान में महत्वपूर्ण भूमि विधियाँ:
    - (क) राजस्थान भू राजस्व अधिनियम, 1956
    - (ख) राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955

### प्रश्न पत्र IV सामान्य हनिदी एवं सामान्य अंग्रेजी

सामान्य हनिदी ईकाई-सामान्य हनिदी: कुल अंक 120, इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य अभ्यर्थी की भाषा-वषियक क्षमता तथा उसके विचारों की सही, स्पष्ट एवं प्रभावपूर्ण अभिव्यक्ति की परख करना है।

#### भाग अ- (अंक 50)

- संधि एवं संधि-विच्छेद - दिए हुए शब्दों की संधि करना और संधि-विच्छेद करना
- उपसर्ग - सामान्य ज्ञान, उपसर्गों से शब्दों की संरचना तथा शब्दों में से उपसर्ग एवं शब्द पृथक् करना। • प्रत्यय - सामान्य ज्ञान, दिए हुए प्रत्ययों से शब्द बनाना और शब्दों में से शब्द एवं प्रत्यय पृथक् करना
- पर्यायवाची शब्द
- वलिोम शब्द
- समश्रुत भिन्नार्थक शब्द-दिए हुए शब्द-युग्म का अर्थ-भेद
- वाक्यांश के लिए सार्थक शब्द
- शब्द शुद्धि
- वाक्य शुद्धि
- मुहावरे- मुहावरों का वाक्य में सटीक प्रयोग
- कहावत/लोकोक्ति-केवल भावार्थ
- पारभाषिक शब्दावली- प्रशासन से संबंधित अंग्रेजी शब्दों के समानार्थ हनिदी

#### पारभाषिक शब्द

#### भाग ब- (अंक 50)

- संक्षिप्तीकरण - गद्यावतरण का उचित शीर्षक एवं लगभग एक-तहिाई शब्दों में संक्षिप्तीकरण (गद्यावतरण की शब्द सीमा लगभग 100 शब्द)
- पल्लवन - कसिी सूक्ति, काव्य पंक्ति, प्रसिद्ध कथन आदि का भाव वसितार (शब्द सीमा-लगभग 100 शब्द)
- पत्र-लेखन - सामान्य कार्यालयी पत्र, कार्यालय आदेश, अर्धशासकीय पत्र, अनुस्मारक
- प्रारूप-लेखन - अधिसूचना, नविदि, परपित्त्र, वजिजपत्ति
- अनुवाद - दिए हुए अंग्रेजी अनुच्छेद का हनिदी में अनुवाद। (शब्द सीमा-लगभग 75 शब्द)

#### भाग स- (अंक 20)

- कसलसल सलसलकल ँवढं अढुतुत वडलतुत डर नडलडुड लेखन (शडुड सीडल लडडडड-250 शडुड)

## General English (Total marks 80)

### Part A-Grammar & Usage (20 Marks)

- Correction of Sentences: 10 sentences for correction with errors related to: Articles & Determiners
- Prepositions
- Tenses & Sequence of Tenses
- Modals
- Voice- Active & Passive
- Narration-Direct & Indirect
- Synonyms & Antonyms
- Phrasal Verbs & Idioms
- One Word Substitute
- **Words often Confused or Misused**

### Part B - Comprehension, Translation & Precis Writing (30 Marks)

- Comprehension of an Unseen Passage (250 Words approximately) 05 Questions based on the passage. Question No. 05 should preferably be on vocabulary.
- Translation of five sentences from Hindi to English.
- Precis Writing (a short passage of approximately 150-200 words)

### Part C- Composition & Letter Writing (30 Marks)

- Paragraph Writing. Any 01 paragraph out of 03 given topics (approximately 200 words)
- Elaboration of a given theme (Any 1 out of 3, approximately 150 words)
- Letter Writing or Report Writing (approximately 150 words)

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rpsc-syllabus>

